खबर संक्षेप

चोरी के आरोपी को माल समेत किया गिरफ्तार

सतना। पुलिस अधीक्षक डॉ.हंसराज सिंह के निर्देशन और एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे व एसडीओपी नागौद रघु केशरी के मार्गदर्शन में कोठी थाना पुलिस ने नकबजनी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला ग्राम बरहना का है,जहाँ 25 मार्च 2026 की रात अज्ञात चोरों ने चार मासपेड मशीन, बॉक्स,माइक और एलईडी लाइट चोरी कर ली थी। फरियादी नीरज उर्फ राजा सोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। मुखबिर की सटीक सूचना पर कोठी थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष तिवारी की टीम ने 13 जून 2026 को आरोपी भूपेंद्र उर्फ अमित कुशवाहा (21 वर्ष, निवासी किटहा,जैतवारा) को शिवपुरवा से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी प्रांशू उर्फ छोटू कुशवाहा के साथ मिलकर चोरी करना कबूला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40,000 रुपये कीमत की 3 मिक्सर मशीन और स्टेबलाइजर जब्त कर उसे न्यायालय में पेश किया।

आयुक्त के निर्देश पर वार्डों में सफाई जारी

सतना। शहर को स्वच्छ और जलभराव से मुक्त रखने के लिए नगर निगम सतना द्वारा लगातार विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त डॉ.शेर सिंह मीना के निर्देश और स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद प्रताप सिंह के नेतृत्व में विभिन्न वार्डों में नालियों की सफाई,कचरा उठाव और सार्वजनिक स्थलों को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अभियान के तहत वार्ड 9 की शिव कॉलोनी में मशीनों से नाली साफ की गई,वहीं वार्ड 44 के सांई मंदिर रोड पर जेसीबी से कचरा हटाया गया। इसके अतिरिक्त वार्ड 37 के तारा देवी मुक्तिधाम,वार्ड 29 में सार्थक हॉस्पिटल के पास जलभराव वाले क्षेत्र और वार्ड 25 में पानी की टंकी के पास सघन सफाई कर कचरे का उठाव सुनिश्चित किया गया। निगम प्रशासन ने आगामी बारिश को देखते हुए जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाने पर विशेष जोर दिया है। आयुक्त ने नागरिकों से भी शहर को सुंदर बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

परसमनिया गढ़ी गोलीकांड:

'ससुराल वालों ने मुझ पर किया जानलेवा हमला पार्टनर ने आत्मरक्षा में चलाई गोली'-बाबा राजा

पत्नी के मायके वालों पर मारपीट, गाली-गलौज और सिर पर फोटो फ्रेम से हमला करने का लगाया आरोप

नागौद राजघराने के बाबा राजा ने पहली बार मीडिया के सामने तोड़ी चुप्पी।

आरोपी महिला सुनीता सिंह को बताया पेट्रोल पंप की मैनेजर और एनजीओ की वर्किंग पार्टनर।

दावा: डराने के लिए की गई हवाई फायरिंग की एक गोली दीवार से टकराकर पत्नी योगिता को लगी।

सतना। नागौद राजघराने के ऐतिहासिक परसमनिया गढ़ी में गत 11 जून को हुए बहुचर्चित गोलीकांड के चार दिन बाद, मामले के केंद्र में आए रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा ने मीडिया के सामने आकर अपनी खामोशी तोड़ी है। बाबा राजा ने अपनी सास द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया कि घटना के वक्त उनके ससुराल पक्ष के लोगों ने उन पर बर्बरतापूर्वक हमला किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी वर्किंग पार्टनर सुनीता सिंह ने किसी दुर्भावना से नहीं, बल्कि आत्मरक्षा (डिफेंस) में गोली चलाई थी।

सोची-समझी साजिश के तहत हुआ हमला

मीडिया से बातचीत में घटनाक्रम का ब्यौरा देते हुए भूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा ने बताया, "11 जून की दोपहर करीब 3:30 बजे मैं गढ़ी के पोर्च में बैठकर अपने फार्महाउस का काम देख रहा था। इसी दौरान मेरी पत्नी योगिता, मेरा इकलौता बेटा, बड़े साले और उनके साथ आए 2-4 अज्ञात लोग गाली-गलौज करते हुए परिसर में दाखिल हुए। मैंने जब उनसे बैठकर शांति से बात करने का आग्रह किया, तो उन्होंने मुझ पर हमला कर दिया।"

बाबा राजा ने आगे कहा, "साले ने मुझे धक्का दिया, जिससे मेरा सिर सीधे टेबल से जा टकराया और मेरा चश्मा टूट गया। चश्मा टूटने के कारण मुझे धुंधला दिखने लगा, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने मुझे कॉरिडोर में धकेल दिया और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया।"

कांच के झूमर और फोटो फ्रेम से किया गया था वार

पीड़ित पक्ष का दावा करते हुए बाबा राजा ने बताया कि मारपीट के दौरान हमलावरों ने घर में रखी पारिवारिक फोटो फ्रेम और झूमर उनके ऊपर फेंक दिए। कांच टूटने से उनके शरीर पर कई गंभीर घाव हो गए। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, "मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा अपना परिवार मेरे साथ इस हद तक जा सकता है। इसी बीच मेरे बड़े साले ने मेरे स्वर्गीय दादा जी की भारी कांच वाली फोटो फ्रेम उठाकर मेरे सिर पर दे मारी, जिससे तेजी से खून बहने लगा और मेरी आंखों के आगे अंधेरा छा गया।"

'सुनीता मेरी वर्किंग पार्टनर, दूसरी पत्नी या गर्लफ्रेंड नहीं'

इस पूरे विवाद की जड़ बताई जा रही सुनीता सिंह (परिहार) के साथ अपने संबंधों पर बाबा राजा ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, "सुनीता मेरे पेट्रोल पंप की मैनेजर और व्यावसायिक सहयोगी (वर्किंग पार्टनर) हैं। हमारे एनजीओ और अन्य व्यापारिक प्रोजेक्ट्स में उनकी सीधी भागीदारी और निवेश है। इसी व्यावसायिक सिलसिले में वह मेरे साथ गढ़ी में रहती हैं। कुछ लोग उन्हें सोशल मीडिया और खबरों में मेरी दूसरी पत्नी या गर्लफ्रेंड बता रहे हैं, जो कि एक महिला के सम्मान के खिलाफ और बेहद अशोभनीय है।"

डिफेंस में हुई फायरिंग, दीवार से टकराकर पत्नी को लगी गोली

घटना के वक्त सुनीता सिंह की मौजूदगी को लेकर बाबा राजा ने सफाई दी कि वह उस समय गढ़ी के अंदर खाना खाने आई थीं। बाहर शोर सुनकर जब वह आईं, तो बाबा राजा ने उन्हें अंदर जाने को कहा। सुनीता ने खुद को दूसरे हिस्से में बंद भी कर लिया था, लेकिन हमलावर उन्हें भी लगातार गालियां और जान से मारने की धमकियां दे रहे थे।

बाबा राजा के मुताबिक, "जब सुनीता ने देखा कि मेरी जान को खतरा है और सिर से खून बह रहा है, तो उन्होंने हमलावरों को चेतावनी दी कि अगर मारपीट नहीं रुकी तो वह गोली चला देंगी। उन्होंने किसी को चोट पहुंचाने के इरादे से नहीं, बल्कि डराने के लिए दीवार की तरफ 3-4 हवाई फायर किए। दुर्भाग्य से, एक गोली दीवार से टकराकर (रिकोशेट होकर) मेरी पत्नी योगिता के पेट में जा लगी। किसी की हत्या करने का कोई इरादा नहीं था।"

सास के आरोपों का कोई आधार नहीं

अपनी सास के बयानों को पूरी तरह झूठा करार देते हुए बाबा राजा ने सवाल उठाया कि जब घटना हुई, तब न तो उनकी सास कैंपस के अंदर थीं और न ही ससुर। ऐसे में उनके आरोपों का कोई जमीनी आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि ससुराल पक्ष के पास विवाद का कोई ठोस कारण नहीं है, वे केवल सुनीता सिंह के नाम को मुद्दा बना रहे हैं। उन्होंने मीडिया और समाज से अपील की कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले वास्तविकता को समझें।

क्या है पूरा मामला?

गौरतलब है कि 11 जून को परसमनिया गढ़ी में नागौद राजघराने की बहू योगिता सिंह को गोली लगने की घटना सामने आई थी। उन्हें अत्यंत गंभीर स्थिति में रीवा के विंध्या मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फायरिंग करने की आरोपी महिला सुनीता परिहार को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब बाबा राजा के इन नए दावों और बयानों की रोशनी में मामले की आगे की जांच कर रही है।

परसमनिया गोलीकांड: FSL जांच के लिए सागर भेजी जाएगी बंदूक और खून के नमूने

राजा बाबा के हाथ में फ्रैक्चर के बाद पुलिस ने बढ़ाई धारा 325, रीवा में जिंदगी की जंग लड़ रही है घायल पत्नी

सतना। उचेहरा थाना क्षेत्र के परसमनिया में नागौद राजघराने से जुड़े हाई-प्रोफाइल विवाद में पुलिस की तफ्तीश तेज हो गई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस वैज्ञानिक साक्ष्यों को मजबूत करने में जुट गई है। इसी कड़ी में पुलिस ने परसमनिया स्थित घटनास्थल से जब्त की गई बंदूक,खाली खोखे और खून के नमूनों को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) जांच के लिए सागर भेजने का निर्णय लिया है,ताकि वारदात की कड़ियों को सटीक रूप से जोड़ा जा सके।

बढ़ीं धाराएं,हाथ में मिला फ्रैक्चर

मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी सतीश मिश्रा ने बताया कि पीड़िता और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। घटना के दौरान रूपेंद्र सिंह उर्फ राजा बाबा के हाथ में आई फ्रैक्चर की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मामले में धारा 325 (गंभीर चोट पहुंचाना) का इजाफा कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इस पूरे विवाद में रूपेंद्र सिंह उर्फ राजा बाबा की महिला मित्र सुनीता परिहार पर गोली चलाने का संगीन आरोप है। इस गोलीबारी में राजा बाबा की पत्नी योगिता सिंह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें इलाज के लिए रीवा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उनकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है।

'जन कल्याण शिविर' में महापौर ताम्रकार ने की सहभागिता

सतना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा,सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूरे होने पर वार्ड क्रमांक 18 स्थित नई बस्ती के मंगल भवन में 'जन कल्याण शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य रूप से पहुंचे महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने नागरिकों से सीधा संवाद किया। महापौर ने उपस्थित जनता को विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिलना सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि यह शिविर सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम है। इस दौरान एमआईसी सदस्य गोपी गेलानी, पूर्व पार्षद अजय सिंह 'मिंटू' सहित विभागीय अधिकारी व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

आठ माह से अधर में लटकी सीवर लाइन परियोजना, मुक्तिधाम मार्ग बना हादसे का सबब

मैहर। मैहर नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित मुक्तिधाम मार्ग पर चल रही सीवर लाइन परियोजना अब आम जनता के लिए विकास कम और प्रशासनिक अव्यवस्था व मुसीबत का प्रतीक अधिक बन चुकी है। लगभग आठ महीने पहले खोदे गए विशाल गड्ढे आज भी जस के तस पड़े हैं और ठेकेदार द्वारा कार्य की गति पूरी तरह ठप कर दी गई है। इस गंभीर स्थिति को लेकर मैहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने जिला प्रशासन और नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद एक वीडियो बयान जारी कर कलेक्टर से पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। प्रभात द्विवेदी ने कहा कि मुक्तिधाम मार्ग का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह अवरुद्ध हो चुका है,जिससे बुजुर्गों,स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को रोजाना जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है। सुरक्षा के नाम पर निर्माण एजेंसी ने केवल एक साधारण हरे रंग की जाली लगा रखी है,जो नाकाफी है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि रात के अंधेरे या बारिश में कोई इन गड्ढों में गिरकर हादसे का शिकार हो जाता है,तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने नगरपालिका के सुपरविजन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि करोड़ों की योजना में समयसीमा और गुणवत्ता की अनदेखी जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ है।

मैहर के जिला बनने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार,चार नए डॉक्टरों की हुई पदस्थापना

मैहर। मैहर के जिला बनने के उपरांत क्षेत्र में बुनियादी और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के चार अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है,जिससे ग्रामीण अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान होगी। डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे इन केंद्रों के लिए यह एक बड़ी राहत है। शासन द्वारा की गई नियुक्तियों के तहत डॉ.आयुषी द्विवेदी को सिविल अस्पताल मैहर,डॉ. रोहित राय चौधरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भदनपुर,डॉ.राजकुमार पांडेय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमदरा और डॉ.विवेक सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घुनवारा में पदस्थ किया गया है। इन नियुक्तियों से स्थानीय जनता को अब प्राथमिक उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही विधायक द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के और अधिक विस्तार के लिए शासन स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भेजे गए हैं। इनमें मौजूदा प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों को क्रमोन्नत (अपग्रेड) करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवनों के निर्माण की पहल शामिल है। प्रबुद्ध नागरिकों ने इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में आधुनिक मशीनों तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता से मैहर की जनता को बड़े शहरों में रेफर होने की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

भीषण गर्मी के बीच आज से खुल रहे स्कूल: न बिजली की गारंटी, न पानी का ठिकाना; सहमे अभिभावक

सतना। रविवार को ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद सोमवार से जिले भर में नए शिक्षण सत्र का आगाज हो रहा है। लंबे समय बाद स्कूलों में एक बार फिर बच्चों की किलकारियां गूंजेंगी और पठन-पाठन का कार्य शुरू हो जाएगा। सड़कों पर सुबह से ही स्कूली बच्चों की चहल-पहल और रौनक नजर आने लगेगी।लेकिन इस बार उत्साह से ज्यादा,भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंची हुई हैं।

बिजली और पानी का संकट बना सबसे बड़ा सिरदर्द

जिले के सरकारी और निजी दोनों ही प्रकार के स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का भारी टोटा है। सबसे बड़ी समस्या बिजली की अघोषित कटौती और पेयजल की है। एक शासकीय शिक्षक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वर्तमान में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के अधिकांश सरकारी स्कूलों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। कई स्कूलों में पीने के पानी की सुचारू व्यवस्था तक नहीं है। ऐसे में झुलसाने वाली गर्मी के बीच बच्चे प्यास से कैसे निपटेंगे,यह एक बड़ा सवाल है। रही-सही कसर बिजली गुल होने की समस्या पूरी कर देती है। बिना पंखों के उमस भरी बंद क्लासों में बच्चों का बैठना दूभर हो जाएगा।

समय बदलने की मांग,पर प्रशासन मौन

अभिभावकों और शिक्षकों का मानना है कि मौसम के तीखे तेवरों को देखते हुए प्रशासन को स्कूलों का समय बदलकर 'मॉर्निंग शिफ्ट' (सुबह का समय) कर देना चाहिए था। लेकिन शिक्षा विभाग की ओर से अब तक ऐसा कोई ठोस आदेश जारी नहीं हुआ है।

नतीजा 'ढाक के तीन पात'

स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि स्कूलों की इन बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया गया। इसके बावजूद धरातल पर सुधार के नाम पर नतीजा हमेशा 'ढाक के तीन पात' ही रहा। अब देखना यह होगा कि इस भीषण तपिश के बीच नौनिहाल कैसे पढ़ाई पूरी करते हैं और प्रशासन इन अव्यवस्थाओं से निपटने के लिए क्या कदम उठाता है।

नगर निगम का जनकल्याण शिविर: दो दिनों में 2209 आवेदनों का हुआ निपटारा

सतना। नगर पालिक निगम सतना द्वारा आयोजित जनकल्याण शिविर 2026 के दूसरे चरण में भरहुत नगर सामुदायिक भवन में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। शिविर में कुल 450 आवेदन मिले,जिनमें से 389 प्रकरणों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। इनमें सबसे ज्यादा आवेदन पेंशन और पीएम स्वनिधि योजना से जुड़े थे। निगम आयुक्त डॉ.शेर सिंह मीना के निर्देशन और उपायुक्त सत्यम मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर के पहले दो दिनों में कुल 2209 आवेदनों का सफलता पूर्वक निराकरण किया जा चुका है। शिविर के दौरान नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को पारदर्शी व गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान कई जनप्रतिनिधि और निगम अधिकारी मौजूद रहे। शिविर का अंतिम चरण 14 जून को नई बस्ती में आयोजित किया जाएगा,जिसके लिए आयुक्त ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

मैहर मेला क्षेत्र की नई यातायात व्यवस्था: जुर्माना नहीं, प्रबंधन पर हो जोर

मैहर। माँ शारदा प्रबंध समिति और जिला प्रशासन द्वारा मैहर मेला क्षेत्र की यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए लिए गए निर्णयों की स्थानीय लोगों ने सराहना की है।प्रशासन की मंशा क्षेत्र को जाम-मुक्त बनाने की है,लेकिन स्थानीय प्रबुद्ध जनों का मानना है कि जमीनी हकीकत को समझे बिना केवल जुर्माना लगाने और बैरियर खड़े करने से श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ सकती है। व्यावहारिक चुनौतियों को देखते हुए सुझाव दिया गया है कि केवल जुर्माने के खौफ से दलाल और बिचौलिए श्रद्धालुओं को डराकर मनमानी वसूली कर सकते हैं। इसके अलावा,साल 2022 में हुई आगजनी जैसी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वाहनों की सुरक्षा भी बड़ा मुद्दा है। यदि श्रद्धालु डरकर वाहन असुरक्षित जगहों पर छोड़ेंगे,तो चोरी और दुर्घटना की आशंका बढ़ेगी। वर्तमान में ई-रिक्शा और ऑटो का रोपवे तक निर्बाध प्रवेश मुख्य जाम का कारण है। यातायात को सुगम बनाने के लिए प्रशासन को 'बंधा पार्किंग' और अन्य बड़ी पार्किंग का अनिवार्य उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए तथा रोपवे तक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित हो। नो-पार्किंग जोन में सीसीटीवी से निगरानी की जाए और दलाली करने वाले दुकानदारों पर सीधे कानूनी कार्रवाई हो। पार्किंग में खाली जगह की जानकारी के लिए डिजिटल बोर्ड लगाए जाएं। पूरे मेला क्षेत्र में पार्किंग शुल्क,प्रसाद की दरें और हेल्पलाइन नंबर के बड़े फ्लेक्स बोर्ड लगाए जाएं तथा लाउडस्पीकर से घोषणा की जाए। अधिकृत पार्किंग स्थलों पर अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा गार्डों की 24/7 तैनाती हो,ताकि श्रद्धालु भयमुक्त होकर दर्शन कर सकें।

भगवती मानव कल्याण संगठन ने अवैध शराब, गांजा एवं जुआ-सट्टा के विरुद्ध खोला मोर्चा, आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए गंभीर सवाल

पन्ना।

भगवती मानव कल्याण संगठन, शाखा पन्ना द्वारा जिले में बढ़ रही अवैध शराब, गांजा, जुआ-सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरोध में पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने कहा कि नशे का बढ़ता कारोबार समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है और इससे अपराध एवं सामाजिक विघटन को बढ़ावा मिल रहा है।

संगठन ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर लगातार शिकायतें और सूचनाएं दिए जाने के बावजूद अवैध कारोबार पूरी तरह बंद नहीं हो पा रहा है। साथ ही आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करते हुए कहा कि यदि विभाग द्वारा नियमित निगरानी एवं प्रभावी कार्रवाई की जाती, तो इस प्रकार की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता था। ज्ञापन में विशेष रूप से रैपुरा क्षेत्र की शराब दुकान के संबंध में पूर्व में की गई शिकायतों का उल्लेख करते हुए उसकी निष्पक्ष जांच एवं आबकारी नियमों के संभावित उल्लंघनों पर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही अथवा मिलीभगत सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। भगवती मानव कल्याण संगठन ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि पूरे पन्ना जिले में अवैध शराब, गांजा, जुआ-सट्टा एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाए, दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा संबंधित विभागों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। संगठन ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी व्यक्ति या विभाग विशेष को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि समाज को नशामुक्त, सुरक्षित एवं जागरूक बनाना है। संगठन ने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग जनहित में इस विषय पर त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी कदम उठाएंगे।

खबर संक्षेप

हंसते-खेलते परिवार में पसरा मातम, नवविवाहित जोड़े ने खाया जहर, मौत

धरमपुर थाना अंतर्गत भकुरी का है मामला

करीब 3 साल पहले हुआ था विवाद घटना का कारण अज्ञात

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले से एक ऐसी दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। धरमपुर थाना क्षेत्र के भखुरी गांव में एक नवविवाहित जोड़े ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। अस्पताल ले जाते समय और इलाज के दौरान दोनों की ही मौत हो गई। इस दोहरे सुसाइड से हंसते-खेलते परिवार की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। घटना शनिवार की रात करीब 8 बजे पूरे परिवार ने एक साथ बैठकर हंसी-खुशी खाना खाया था। इसके बाद 25 वर्षीय सागर यादव और उसकी 23 वर्षीय पत्नी श्याम कली अपने कमरे में सोने चले गए। लेकिन कुछ ही देर बाद कमरे से अचानक चीखने-चिल्लाने और उल्टियां करने की आवाजें आने लगीं। परिजन जब कमरे में पहुंचे तो दोनों की हालत बेहद खराब थी। आनन-फानन में दोनों को अजयगढ़ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ से गंभीर हालत में उन्हें पन्ना जिला अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन बदकिस्मती से पत्नी श्याम कली ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जबकि पति सागर की मौत जिला अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। मृतक सागर चार बहनों का इकलौता भाई था और दोनों की शादी को महज 3 साल ही हुए थे। थाना प्रभारी अनिल राजपूत के मुताबिक, चूंकि मृतिका नवविवाहिता है, इसलिए मर्ग कायम कर पुलिस हर एंगल से मामले की बारीकी से तफ्तीश कर रही है। दोनों के शवों का आज पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आखिरकार इस आत्मघाती कदम के पीछे की असली वजह क्या थी, यह तो पुलिस जांच के बाद ही साफ हो पाएगा।

गायत्री महायज्ञ का आयोजन, हवन-पूजन एवं कन्या भोज संपन्न

पन्ना। नगर के जनकपुर स्थित अपने फार्म हाउस में जल संसाधन विभाग के पूर्व एसडीओ एलडी सिंह द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महायज्ञ का समापन हवन-पूजन के साथ संपन्न हुआ तथा कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। उपस्थित श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन में भाग लेकर आहुति अर्पित की तथा प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए गायत्री परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। उल्लेखनीय है कि सेवानिवृत्ति के बाद से एलडी सिंह गायत्री परिवार से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

शासकीय संस्कृत विद्यालय देवेन्द्रनगर पाणिनि विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में

प्राचार्य डॉ. नीरज शर्मा एवं प्राध्यापक मंडल ने मेधावी छात्रों को दी बधाई

टॉप 10 की सूची में बनाया स्थान

देवेन्द्रनगर। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा घोषित शैक्षणिक सत्र 2024-25 की मुख्य प्रावीण्य सूची में शासकीय संस्कृत महाविद्यालय देवेन्द्रनगर, पन्ना के विद्यार्थियों ने अपनी मेधा का परचम लहराते हुए ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय की १टॉप-10१ सूची में महाविद्यालय के कुल 11 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शीर्ष स्थान प्राप्त कर संपूर्ण जिले और प्रदेश में संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीरज शर्मा ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्प्-2020) के अंतर्गत पारंपरिक प्राच्य विद्या के साथ आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का समन्वय ही छात्रों की इस सफलता का मुख्य मार्गदर्शक है। आचार्य - स्नातकोत्तर 'नव्यव्याकरण विभाग-आरती सोनी' पिता महेश कुमार विश्वविद्यालय में 'पंचम (5जी) स्थान' (74.44:), आकांक्षा गुप्ता' पिता संतोष कुमार विश्वविद्यालय में 'षष्ठम (6जी) स्थान' (74.00:), ऋषभ पांडे' पिता संतोष कुमार पांडे विश्वविद्यालय में 'अष्टम (8जी) स्थान' (72.11:), अपूर्वा रावत' (पितारू श्री राम बिहारी) विश्वविद्यालय में 'दशम (10जी) स्थान' (70.78:) शास्त्री - स्नातक (ठ.।.) शास्त्री चतुर्थ वर्ष (समस्त विषय) नीलेश तिवारी' पिता देवी प्रसाद विश्वविद्यालय में 'चतुर्थ (4जी) स्थान' (75.60:) शैलेंद्र शुक्ला पिता रामनिवास विश्वविद्यालय में 'नवम (9जी) स्थान' (73.10:) ज्योतिषविज्ञान (स्नातक पत्रोपाधि)' कृष्ण मुरारी' पिता जय प्रकाश विश्वविद्यालय में 'तृतीय (3तक) स्थान' (86.00:), सुमित त्रिपाठी पिता लाल जी त्रिपाठी विश्वविद्यालय में 'छठा (6जी) स्थान' (82.00:) विश्वविद्यालय द्वारा जारी योग डिप्लोमा (स्नातक पलोपाधि) की प्रावीण्य सूची में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए 'रैंक 1 से लेकर रैंक 7 तक' लगातार सभी शीर्ष स्थानों पर एकछत्र कब्जा जमाया है। इसमें 'अरविन्द कुमार गोस्वामी ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान', ज्ञानेन्द्र तिवारी ने द्वितीय स्थान और शुभम कुमार पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवमयी और ऐतिहासिक सफलता पर महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य 'डॉ. नीरज शर्मा, ''डॉ. रामनरेश द्विवेदी, ''डॉ. ध्रुवकुमार पाण्डेय, डॉ शालिग्राम मिश्र, नरेन्द्र पाण्डेय, पीएल जमरा, एवं समस्त शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके सम्माननीय अभिभावकों को बधाई प्रेषित की है। प्राचार्य डॉ. शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय की यह निरंतर सफलता यहाँ के समस्त प्राध्यापकों के उत्कृष्ट अध्यापन और छात्रों के कठिन परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने वर्तमान सत्र 2026-27 के नव-प्रवेशार्थियों को इन मेधावियों से प्रेरणा लेकर उच्च शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से महाविद्यालय के प्रतिष्ठित पाठ्यक्रमों (शास्त्री/आचार्य/योग) में शीघ्र प्रवेश सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

पवई थाना में पदस्थ चार पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

पवई। पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृण बनाने के लिए जिले के अंतर्गत पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण किए गए थे जिसको लेकर पवई में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक आनंद मिश्रा ,अनिल गर्ग प्रधान आरक्षक, अंजलि त्रिपाठी आरक्षक, विनिती सिंह आरक्षक के स्थानांतरण अलग-अलग थानों में हुए थे रविवार को थाना प्रभारी पवई सुशील कुमार द्वारा स्टाफ के साथ मिलकर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

नियम विरुद्ध बने प्रभारी प्रचार्य शिक्षकों तथा बाबुओं के अटैच मेन्ट तत्काल किए जाएं समाप्त, तभी हो सकता है शिक्षा व्यवस्था में सुधार

पन्ना। जिले की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार हेतु जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गयी है वर्षो से जमे शिक्षक और बाबू मलाई दार शाखा में नियमविरुद्ध जमे हुए हैं जबकि इनके संलग्ननीकरण व प्रति नियुक्ति की समय सीमा होती है जो की 3 वर्ष निर्धारित है परन्तु बहुत से बाबू और शिक्षक कई वर्षों से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमे हुए हैं इनकी शाखा और प्रभार भी नहीं बदले गए हैं शासन के आदेश हैं की कोई भी शिक्षक संलग्न नहीं रहेगा परन्तु जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं।कोई कार्यवाही नहीं हुई है नवागत जिला शिक्षा अधिकारी अनिल तलैया को इस दिशा में कठोर कदम उठाने होंगे तथा शासन के नियम अनुसार संलग्न कारण खत्म करते हुए संबंधित शिक्षकों तथा लिपिक को अपनी अपनी पदस्थापना स्थान पर भेजना चाहिए जिससे शैक्षणिक व्यवस्था सुधार हो सके कलेक्टर सिनेमा तुमसा परमार द्वारा इसीलिए डिप्टी कलेक्टर अनिल तलैया को शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया था जिससे जिले की शिक्षा व्यवस्था सुधारी जा सके श्री तलैया को कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

पोहा लेने रुके युवक को मारी टक्कर, पेट्रोल पंप के पास दो बाइकों की भीषण भिड़ंत में तीन गंभीर घायल

अमानगंज-हिनौती मार्ग पर हादसे से मचा हड़कंप, छोटू राजा का पैर टूटा

अमानगंज।

अमानगंज-हिनौती रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार को उस समय जोरदार सड़क हादसा हो गया, जब दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर जा गिरे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, याज्ञवेंद्र उर्फ छोटू राजा बुंदेला (30 वर्ष) निवासी कंचौरा अमानगंज से अपने घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि वह पेट्रोल पंप के पास पोहा लेने के लिए रुके थे। इसी दौरान किशनगढ़ की ओर से अमानगंज आ रही मोटर साइकिल, जिस पर कल्लू आदिवासी (19 वर्ष) एवं विजूलाल आदिवासी (16 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम मरहा सवार थे, उनकी बाइक से जा भिड़ी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 अमानगंज की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक विश्वास शुक्ला एवं पायलट कैलाश दहायत ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद याज्ञवेंद्र उर्फ छोटू राजा के पैर में फ्रैक्चर होने पर उन्हें कटनी रेफर कर दिया, जबकि कल्लू आदिवासी और विजूलाल आदिवासी को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल पन्ना भेजा गया है।

हादसा अमानगंज-हिनौती मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के सामने हुआ, जिसके बाद कुछ देर तक क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह घटना शनिवार रविवार की दारमनी रात्रि की बताई जा रही है मामले की जानकारी रविवार की सुबह 10 बजे सामने आई है।

अप्रैल का मानदेय अटका, बजट आवंटन के बाद भी भुगतान को तरस रहे अतिथि शिक्षक

ज्ञापन सौंपकर बजट उपयोग की निष्पक्ष जांच की मांग

मानदेय भुगतान में देरी से बढ़ीं आर्थिक परेशानियां

पन्ना। जिले के अजयगढ़ विकासखंड के अतिथि शिक्षकों ने अप्रैल माह के मानदेय भुगतान में हो रही देरी को लेकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। अतिथि शिक्षक संघ ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अजयगढ़ को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच तथा लंबित मानदेय के शीघ्र भुगतान की मांग की है। संघ द्वारा सौंपे गए आवेदन के अनुसार लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल द्वारा 9 अप्रैल 2026 को अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए बजट आवंटित किया गया था। आवेदन में दावा किया गया है कि जिले के अन्य विकासखंडों में अप्रैल माह का मानदेय जारी हो चुका है, जबकि अजयगढ़ विकासखंड के अतिथि शिक्षकों को अब तक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है।

बजट उपयोग को लेकर उठाए सवाल-

अतिथि शिक्षक संघ का आरोप है कि अप्रैल माह के लिए उपलब्ध कराई गई राशि से पूर्ववर्ती महीनों का भुगतान किया गया, जिसके कारण अप्रैल माह का मानदेय लंबित रह गया। संघ ने फरवरी, मार्च और अप्रैल माह के बजट आवंटन तथा व्यय की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि समय पर मांग पत्र नहीं भेजा गया अथवा बजट प्रबंधन में किसी स्तर पर लापरवाही बरती गई है तो इसकी जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक जांच रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है। अतिथि शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के अनुसार अधिकारियों से चर्चा के दौरान उन्हें बताया गया कि वर्तमान में उपलब्ध राशि पूरे विकासखंड के अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए पर्याप्त नहीं है। साथ ही उच्च स्तर पर अतिरिक्त बजट की मांग भेजे जाने की जानकारी भी दी गई है।

मामूली मानदेय पर निर्भर शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट-

अतिथि शिक्षक (ळनमेज ज्मंबीमत) लंबे समय से नियमित और समयबद्ध मानदेय भुगतान की समस्या उठाते रहे हैं। सीमित मानदेय पर सेवाएं दे रहे इन शिक्षकों के लिए भुगतान में देरी सीधे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है। बढ़ती महंगाई के बीच अधिकांश अतिथि शिक्षक अपने परिवार का भरण-पोषण इसी आय के सहारे करते हैं। ऐसे में मानदेय में एक-दो माह की देरी का अर्थ अक्सर किराना, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए उधार या कर्ज पर निर्भर होना होता है। शिक्षकों का कहना है कि समय पर भुगतान न होने से उन्हें बार-बार आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है।

शिक्षा व्यवस्था पर उठ रहे व्यापक सवाल-

यह मामला एक बार फिर प्रदेश में अतिथि शिक्षकों की स्थिति को लेकर बहस का विषय बन गया है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि शिक्षा और शिक्षकों के सम्मान को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अतिथि शिक्षकों को समय पर मानदेय तक उपलब्ध नहीं हो पाता। शिक्षक संगठनों का आरोप है कि सरकारी स्कूलों और अतिथि शिक्षकों से जुड़ी समस्याएं वर्षों से बनी हुई हैं। वहीं सरकार शिक्षा क्षेत्र में सुधार और संसाधनों के विस्तार के दावे करती रही है। ऐसे में समय पर मानदेय भुगतान जैसे बुनियादी मुद्दे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हैं।

जांच और भुगतान की मांग-

अतिथि शिक्षक संघ अजयगढ़ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय कुमार रैकवार सहित अतुल्य जैन, अश्विनी कुमार रैकवार, दीपक कुमार पाण्डेय, दिलीप यादव, दिनेश पाल एवं सुनील पाल ने संयुक्त रूप से प्रशासन से मांग की है कि फरवरी, मार्च एवं अप्रैल माह के बजट आवंटन और व्यय की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही लंबित अप्रैल माह के मानदेय का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकासखंड के अतिथि शिक्षकों को आर्थिक कठिनाइयों से राहत मिल सके। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि जांच में किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

प्लास्टिक मुक्त बने दक्षिण पन्ना के पौधारोपण स्थल, 11260 किलो ग्राम प्लास्टिक कचरे का हुआ वैज्ञानिक निस्तारण

लगभग 68 हजार किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन की रोकथाम तथा वन समितियों को 56 हजार से अधिक की आय

पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा वन क्षेत्रों को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वर्ष 2025 के विभिन्न पौधारोपण स्थलों से पौधों के रोपण उपरांत शेष बचे प्लास्टिक पॉलीबैगों का व्यापक संग्रहण अभियान चलाया गया। वनकर्मियों एवं स्थानीय वन समितियों के सहयोग से लगभग 11,260 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे का संग्रहण किया गया। इसके बाद इस सामग्री को साफ कर उसमें मिश्रित मिट्टी, पत्थर एवं अन्य अशुद्धियाँ अलग की गईं, ताकि उसका उचित एवं सुरक्षित निस्तारण किया जा सके। संग्रहित प्लास्टिक कचरे को अमानगंज स्थित जेके सीमेंट संयंत्र को ऊर्जा पुनर्प्राप्ति (म्दमतहल त्मबवअमतल) हेतु बेचा गया। इससे वन समितियों को लगभग 56,300 की राशि प्राप्त होगी। सीमेंट संयंत्रों में उपलब्ध उन्नत प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों एवं इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ईएसपी) जैसे उपकरणों के कारण इस प्रकार का निस्तारण खुले में जलाने अथवा अवैज्ञानिक तरीके से फेंकने की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल माना जाता है। वन विभाग के अनुसार पौधारोपण के बाद पॉलीबैगों को वन क्षेत्र में छोड़ देना, गड्ढों में दबा देना अथवा खुले में जला देना पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। समय के साथ यह प्लास्टिक छोटे-छोटे कणों में टूटकर माइक्रोप्लास्टिक का रूप ले लेता है, जो मृदा, जल स्रोतों, वन्यजीवों तथा मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इस पहल से न केवल पौधारोपण स्थलों को प्लास्टिक मुक्त बनाने में सफलता मिली, बल्कि अनुमानतः लगभग 68,000 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) समतुल्य ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी रोका जा सका। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि अपशिष्ट समझी जाने वाली सामग्री को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित किया गया। प्राप्त राशि का उपयोग वन समितियों द्वारा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में किया जाएगा। यह पहल दर्शाती है कि जनसहभागिता, स्वच्छता और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को भी प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

गृह तहसील में नहीं रह पाएंगे पटवारी शासन की नई स्थानातरंण नीति में जारी हुए आदेश

छतरपुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पटवारियों के लिए एक स्थानांतरण नीति जारी की गई है जिसमें स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि कोई भी पटवारी अब अपने गृह तहसील में नही पदस्थ रह पाएगा। शासन की स्थानांतरण नीति का यह आदेश बायरल होते ही उन पटवारियों के पैरों तले की जमीन खिसक गई है, जो वर्षो से अपने ही गृह तहसील में पदस्थ रहकर भ्रष्टाचार में माहिर हो चुके थे। शासन के इस निर्देश के चलते जल्द ही ऐसे पटवरियों पर गाज गिरेगी जो अपने ही गृह तहसील में पदस्थ है। छतरपुर जिले में भी कई पटवारी ऐसे है जो वर्षो से अपने गृह तहसील में पदस्थ रहकर विवादों को जन्म दे रहे थे। ऐसे पटवारी शासन के आदेश को सुनते ही इधर उधर बंगले झाकने लगे है कि किस राजनेता से सिफारिश लगवाई जाए और उन्हें गृह तहसील से दूसरी जगह ना जाना पड़े लेकिन शासन की नई स्थानांतरण नीति के तहत पटवारियों को गृह तहसील तो छोडऩा ही पड़ेगा। अब देखना यह है कि कौन पटवारी किस आका की शरण में जाता है फिलहाल शासन की स्थानांतरण नीति सभी के लिए बराबर है और अब पटवारियों की सोर्स सिफारिश चलने बाली नही है और उन्हें हर हाल में गृह तहसील छोडऩा पड़ेगा। स्थानांतरण नीति का यह आदेश बायरल होते ही उन पटवारियों के पैरों तले की जमीन खिसक गई है, जो वर्षो से अपने ही गृह तहसील में पदस्थ रहकर भ्रष्टाचार में माहिर हो चुके थे। शासन के इस निर्देश के चलते जल्द ही ऐसे पटवरियों पर गाज गिरेगी जो अपने ही गृह तहसील में पदस्थ है। छतरपुर जिले में भी कई पटवारी ऐसे है जो वर्षो से अपने गृह तहसील में पदस्थ रहकर विवादों को जन्म दे रहे थे। ऐसे पटवारी शासन के आदेश को सुनते ही इधर उधर क़े बंगले झाकने लगे है कि किस राजनेता से सिफारिश लगवाई जाए और उन्हें गृह तहसील से दूसरी जगह ना जाना पड़े, लेकिन शासन की नई स्थानांतरण नीति के तहत पटवारियों को गृह तहसील तो छोडऩा ही पड़ेगा। अब देखना यह है कि कौन पटवारी किस आका की शरण में जाता है फिलहाल शासन की स्थानांतरण नीति सभी के लिए बराबर है।

सीएम शिकायत शिविर में अनुपस्थित रहने पर पटवारी निलंबित

राजनगर एसडीएम ने कार्रवाई करते हुए हल्का नांद का अतिरिक्त प्रभार दूसरे पटवारी को सौंपा

राजनगर। मुख्यमंत्री शिकायत निराकरण शिविर में अनुपस्थित रहने तथा शासकीय कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में राजनगर एसडीएम विशा माधवानी ने हल्का नांद की पटवारी अंजली सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कार्रवाई के बाद उनके स्थान पर हल्का नांद का अतिरिक्त प्रभार पटवारी राममिलन पाल को सौंपा गया है। जानकारी के अनुसार, अनुविभागीय कार्यालय राजनगर द्वारा पूर्व में विभिन्न माध्यमों से सभी पटवारियों को मुख्यमंत्री शिकायत निराकरण शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद पटवारी अंजली सिंह शिविर में उपस्थित नहीं हुईं, जिससे शिकायतों के निराकरण कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। शिविर के दौरान शिकायतकर्ताओं ने पटवारी अंजली सिंह के विरुद्ध कई शिकायतें भी दर्ज कराईं। ग्रामीणों का आरोप था कि पटवारी अपने कार्यक्षेत्र में निवास नहीं करती हैं तथा क्षेत्र में सीमांकन के दर्जनों प्रकरण लंबित पड़े हुए हैं। किसानों ने सीमांकन कार्य समय पर नहीं होने से परेशानी का सामना करने की बात कही। शिकायतों और अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम विशा माधवानी ने पाया कि संबंधित पटवारी द्वारा शासकीय कार्यों में घोर लापरवाही, शिकायतों के निराकरण में अनियमितता, स्वेच्छाचारिता तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की गई है। इसे कदाचार की श्रेणी में मानते हुए उन्हें नियमों के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि के दौरान पटवारी अंजली सिंह का मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय राजनगर निर्धारित किया गया है।

महाराजा छत्रसाल विरासत महोत्सव की तैयारियां तेज विधायक कामाख्या प्रताप सिंह ने ली समीक्षा बैठक

17-18 जून को मऊ सहानिया में होगा दो दिवसीय भव्य आयोजन, अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

नौगांव।

छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में मऊ सहानिया में 17 एवं 18 जून को आयोजित होने वाले दो दिवसीय महाराजा छत्रसाल विरासत महोत्सव की तैयारियां तेज हो गई हैं। महोत्सव के सफल, भव्य एवं गरिमामय आयोजन को लेकर शुक्रवार को तहसील नौगांव सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता महाराजपुर विधायक कामाख्या प्रताप सिंह ने की। बैठक में महोत्सव से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों, आयोजन समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में साफ-सफाई, मंच एवं पंडाल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, सुरक्षा, पार्किंग, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस, अतिथि सत्कार, पुष्प सज्जा एवं ध्वनि व्यवस्था सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। साथ ही कलाकारों की प्रस्तुतियों, उनके आवास एवं भोजन की व्यवस्था तथा कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया, आमंत्रण पत्र, बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स के माध्यम से जनसंपर्क बढ़ाने के निर्देश दिए गए। विधायक कामाख्या प्रताप सिंह ने कहा कि महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड की शौर्य, स्वाभिमान और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इसलिए महोत्सव का आयोजन ऐतिहासिक और यादगार बनाया जाए, ताकि क्षेत्र के नागरिक अपनी विरासत पर गर्व महसूस कर सकें और अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सहभागिता करें। मऊ सहानिया में आयोजित होने वाले इस विरासत महोत्सव में 17 एवं 18 जून को लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और महाराजा छत्रसाल के जीवन एवं योगदान पर आधारित विशेष आयोजन होंगे।

फार्मर आईडी और सीमांकन मामलों को लेकर किसानों का अल्टीमेटम, 23 जून को धरना प्रदर्शन

छतरपुर। किसानों की समस्याओं को देखते हुए राजनगर तहसील के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बृजकिशोर पाण्डेय ने एसडीएम राजनगर को एक पत्र लिखकर किसानों के फार्मर आईडी बनवाने सीमाकंन, बटवारा, तरमीम के प्रकरणों को तत्काल निपटाने के संबंध में मांग की है। और यह भी कहा है कि यदि उनके इस पत्र पर किसानों के हितों को देखते हुए कार्यवाही नहीं की गई तो अगामी 23 जून को तहसील कार्यालय के सामने विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा और राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। एसडीएम को लिखे पत्र मे यह भी अवगत कराया गया है कि शासन के नियमानुसार खाद बीज प्राप्त करने के लिए किसान पंजीयन अनिवार्य है। परंतु हल्का पटवारियों के द्वारा अपने पदीय दायित्वों का सही निर्वाहन नहीं किया जा रहा है और ना ही हल्का में उपस्थित रहते है। जिस कारण किसानों के पंजीयन नहीं हो पा रहे है, शासन के निर्देशानुसार पटवारियों का कर्तयव है कि किसान फसल पंजीयन के लिए गांव में मुनादी कराकर किसानों के बीज बैठकर पंजीयन करें, लेकिन खरीफ कि फसल की बुआई का समय आ गया है और किसानों के अभी तक पंजीयन नहीं हो पा रहे है। जिससे किसान समय पर खाद बीज नहीं उठा पा रहे है और लगातार तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे है। वर्तमान में राजनगर तहसील में बहुत अधिक मात्रा में किसानों के सीमाकंन तरमीम बटवारा आदि के प्रकरण भी दर्ज है लेकिन उन पर हल्का पटवारियों का सही समय पर कार्य करने का रूझान नहीं रहता है जिस कारण किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। इसलिए तत्काल प्रभाव से हल्का पटवारियों को हल्का में उपस्थित रहने का आदेश करते हुए सही समय पर किसानों के पंजीयन सीमाकंन तरमीम एवं बटवारा के प्रकरणों का निराकरण कराया जाए। आपको बता दें कि राजस्व विभाग में इतना अधिक भ्रष्टाचार मचा हुआ है जिससे किसानों के उक्त मामलों के प्रकरणों पर पटवारी बर्षो तक कोई कार्यवाही नहीं करते है जिस कारण किसानों को परेशान होना पड़ता है और पटवारियों की लापरवाही के चलते ही आये दिन ग्रामीण अंचल में जमीनी विवाद होते है जिसके लिए पटवारी पूरी तरह से जिम्मेदार है लेकिन आज भी स्थिति यह बनी हुई है कि कलेक्टर के निर्देश के बाद भी किसानों के जमीन संबंधी मामलों का समय पर निपटारा नहीं किया जा रहा है, जबकि कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दे रखे है कि यदि राजस्व के मामलों का सही समय पर निपटारा किया गया होता, तो ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को इस तरह का पत्र एसडीएम को नहीं लिखना पड़ता। क्योंकि सबसे अधिक जमीनी विवाद राजनगर क्षेत्र में ही देखने को मिल रहे है और जमीन विवाद के चलते ही कई घटनाएं हो चुकी है इन सब के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराहा जा रहा है।

आकाशवाणी परिसर में पौधारोपण से शुरू हुआ एक पेड़ मां के नाम अभियान

छतरपुर। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर छतरपुर सिविल सोसाइटी द्वारा लिए गए पर्यावरण संरक्षण के संकल्प की विधिवत शुरुआत रविवार को आकाशवाणी परिसर में पौधारोपण कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाशवाणी के उप महानिदेशक वलिउल्लाह खान एवं उनकी धर्मपत्नी फरहा खान रहे।

इस अवसर पर आकाशवाणी परिसर में पांच पौधे रोपे गए। छतरपुर सिविल सोसाइटी के संयोजक समाजसेवी शंकर लाल सोनी एवं पंकज कुमार जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत यह पहल की गई है। साथ ही आकाशवाणी छतरपुर के 50 वर्ष तथा आकाशवाणी के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भी पौधारोपण किया गया।

उन्होंने बताया कि वर्षाकाल के दौरान सिविल सोसाइटी विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग से प्रत्येक रविवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करेगी।

अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषण मुक्त बनाना है।

कार्यक्रम में आकाशवाणी के सहायक निदेशक विनोद कुमार पुष्पद, कार्यक्रम प्रमुख रविंद्र कुमार प्रजापति, इंजीनियर प्रशांत दुबे, नेहा खरे, अपूर्व दीक्षित, सौरभ त्रिपाठी, अभिलाष जैन, अंबिका शरण खरे, कंप्यूटर ऑपरेटर खालिद अहमद खान, उद्घोषक राजेंद्र अहिरवार सहित आकाशवाणी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इस दौरान पर्यावरणविदों एवं समाजसेवियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील भी की गई।

खजुराहो मंदिर परिसर में सुरक्षा एजेंसियों की मॉक ड्रिल, बम निष्क्रिय करने का किया अभ्यास

खजुराहो। विश्व प्रसिद्ध खजुराहो के मुख्य पश्चिमी मंदिर समूह परिसर में रविवार को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। संदिग्ध वस्तु मिलने की काल्पनिक सूचना के आधार पर बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीम ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का अभ्यास किया।

मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने वास्तविक परिस्थितियों की तरह पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर संदिग्ध वस्तु की जांच की। डॉग स्क्वॉड की सहायता से वस्तु की पहचान की गई, जिसके बाद बीडीएस टीम ने निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। अभ्यास के दौरान मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल का उद्देश्य किसी भी संभावित आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सुरक्षा बलों की तैयारियों को मजबूत करना है। खजुराहो जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और विश्व धरोहर स्थल पर आयोजित इस मॉक ड्रिल ने सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता, तत्परता और आपसी समन्वय को प्रदर्शित किया। अधिकारियों के अनुसार मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक संपन्न हुई और सुरक्षा व्यवस्थाओं का प्रभावी परीक्षण किया गया।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षक अधीर खरे को दी भावभीनी विदाई, 40 वर्षों की सेवाओं को किया याद

छतरपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रगौली में पदस्थ रहे उच्च श्रेणी शिक्षक अधीर खरे के 40 वर्षों की निष्कलंक एवं समर्पित सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिसर में सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बराखेरा के प्राचार्य प्रकाश खरे ने की। इस अवसर पर अधीर खरे को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त लिपिक कैलाश चंद्र मिश्रा ने कहा कि अधीर खरे का सेवाकाल उत्कृष्ट कार्यशैली और ईमानदारी की मिसाल रहा है। वहीं उनके मित्र एवं सेवानिवृत्त टीआई पुरुषोत्तम पाण्डेय ने कहा कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति भले ही अनिवार्य हो, लेकिन कर्मठ और अनुभवी व्यक्तियों को समाज हमेशा याद रखता है।

सहपाठी मित्र बिंदेश्वरी चतुर्वेदी ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का नया अध्याय है, जिसमें व्यक्ति अपनी पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकता है। विद्यालय के व्याख्याता सत्यनारायण द्विवेदी ने कहा कि अधीर खरे ने अपने 40 वर्षों के कार्यकाल में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए शिक्षा विभाग एवं समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ताओं ने भी उनके सुखद, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके सहयोग और योगदान को याद किया। इस अवसर पर उनकी पुत्री शिवी ने अपने पिता के सम्मान में एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत कर माहौल को भावुक बना दिया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक जीवन लाल चतुर्वेदी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन शैलेन्द्र खरे ने व्यक्त किया। समारोह में इंजीनियर अमित पटेल, मुकेश सक्सेना, नंदकिशोर वर्मा, केसी वर्मा, डीपी तिवारी, अविनाश त्रिपाठी, अशोक खरे, वीरेन्द्र खरे, अनिल गुप्ता, हरकुँवर विश्वकर्मा, अजेंद्र व्यास, हनुमतदीन मिश्रा, प्रवीण तिवारी, सुरेन्द्र श्रीवास्तव, शिवी, लवी, अभिषेक खरे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में परिजनों की भीड़ से बढ़ रही अव्यवस्था, नियमों के पालन पर उठे सवाल

छतरपुर। जिला अस्पताल में मरीजों के साथ आने वाले परिजनों की अत्यधिक भीड़ अस्पताल की व्यवस्थाओं पर भारी पड़ रही है। अस्पताल परिसर में एक मरीज के साथ 10 से 15 लोगों के पहुंचने से न केवल उपचार कार्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था भी चुनौती बनती जा रही है।

जानकारी के अनुसार अस्पताल के वार्डों और गलियारों में बड़ी संख्या में परिजनों के जमा होने से मरीजों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में कई स्थानों पर परिजनों द्वारा भोजन करने तथा बाहर से लाया गया खाना मरीजों को खिलाने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं, जबकि अस्पताल के नियमों के तहत मरीजों के कमरों में बाहर का भोजन खाने की अनुमति नहीं होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अस्पतालों में अनावश्यक भीड़ संक्रमण फैलने के खतरे को बढ़ाती है और गंभीर मरीजों के उपचार में भी बाधा उत्पन्न करती है। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन द्वारा बनाए गए नियमों का प्रभावी पालन नहीं हो पा रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अस्पताल में विजिटर पास प्रणाली को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, ताकि प्रत्येक मरीज के साथ सीमित संख्या में ही परिजनों को प्रवेश मिल सके। लोगों का आरोप है कि सुरक्षा कर्मियों और प्रबंधन के स्तर पर निगरानी की कमी के कारण नियम केवल कागजों तक सीमित होकर रह गए हैं। नागरिकों ने जिला अस्पताल प्रबंधन से व्यवस्था सुधारने, भीड़ नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने तथा अस्पताल परिसर में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने की मांग की है।

खजुराहो एयरपोर्ट पर आज मनाया जाएगा यात्री सुविधा दिवस, यात्रियों का होगा पारंपरिक स्वागत

खजुराहो। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी खजुराहो स्थित एयरपोर्ट पर 15 जून को यात्री सुविधा दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं तथा यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

खजुराहो एयरपोर्ट के निदेशक संतोष सिंह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि यात्री सुविधा दिवस के अवसर पर एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों का पुष्पहार पहनाकर एवं भारतीय परंपरा के अनुरूप स्वागत किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे बच्चों में विमानन और पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। वहीं यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एयरपोर्ट परिसर में 44 चार्जिंग पॉइंट युक्त आधुनिक सोफे लगाए गए हैं,

जहां यात्री बैठकर अपने मोबाइल फोन और लैपटॉप आसानी से चार्ज कर सकेंगे। यह सुविधा देश के चुनिंदा हवाई अड्डों पर ही उपलब्ध है। एयरपोर्ट निदेशक ने कहा कि आने वाले समय में खजुराहो एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का और विस्तार किया जाएगा। इसके तहत इंडिगो एयरवेज तथा एयर इंडिया की उड़ानों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

आरोग्य भारती के स्वास्थ्य शिविर में आधा सैकड़ा से अधिक मरीजों को मिला लाभ

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी स्वास्थ्य संबंधी सलाह, निशुल्क दवाओं का किया वितरण

ऐसे शिविरों से ग्रामीण क्षेत्र के लोग हो रहे लाभान्वितः अरविन्द पटेरिया

लवकुशनगर। आरोग्य भारती द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आधा सैकड़ा से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गायत्री नामदेव एवं क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटेरिया द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

शिविर में लवकुशनगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इलाज एवं स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे। वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. गयात्री नामदेव ने मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं सुनीं और उन्हें उचित परामर्श प्रदान किया। शिविर के माध्यम से सभी मरीजों को निशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। इस मौके पर डॉ. सियाराम चतुर्वेदी, डॉ. रिचा परमार, डॉ सुधीर द्विवेदी डॉ. दीप्ती शुक्ला ने भी मरीजों का इलाज कर आवश्यक परामर्श दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटेरिया ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।शिविर के दौरान मरीजों की बीपी, शुगर, ईसीजी, पीएफटी, ब्लड टेस्ट एवं हीमोग्लोबिन जांच निशुल्क की गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के सफल आयोजन पर क्षेत्रवासियों ने आरोग्य भारती के इस प्रयास की सराहना की। इस मौके पर आरोग्य भारती के जिला सचिव विकास चतुर्वेदी, सह सचिव राजकुमार बाजपेई, कुलदीप पांडे, कमल अवस्थी सत्येंद्र द्विवेदी, ऋषभ शुक्ल प्राची रायकवार, स्नेहा शुक्ला के अलावा स्वास्थ्यकर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों का भी विशेष सहयोग रहा।

आर्य समाज महाराजपुर में आयोजित हुआ स्किल एंड टैलेंट हंट कंपटीशन

महाराजपुर। आर्य समाज महाराजपुर में संचालित महर्षि दयानंद विद्या मंदिर महाराजपुर द्वारा प्रतिभाशाली बच्चों को अपनी प्रतिभा जानने का अवसर प्रदान करने के लिए स्किल एंड टैलेंट हंट कंपटीशन 2026 आयोजित की गई। उक्त प्रतियोगिता में छतरपुर जिले के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता निःशुल्क आयोजित की गई, जिसमें बच्चों से हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, जनरल नॉलेज आदि से महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता रविवार को प्रातः 9 बजे आर्य समाज प्रांगण में आयोजित हुई जिसमे 150 से अधिक बच्चों ने रजिस्ट्रेशन करवाए। सामान्य विषयों के अतिरिक्त ड्राइंग कंपटीशन का भी आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने प्रकृति से संबंधित सुंदर तस्वीरे बनाई। महर्षि दयानंद विद्या मंदिर की डायरेक्टर श्रीमती अंजलि चौरसिया ने बताया कि जिन बच्चों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है उनका परीक्षा परिणाम 21 जून को सायंकाल 5 बजे महर्षि दयानंद विद्या मन्दिर आर्यसमाज भवन में विशेष समारोह का आयोजन कर जारी किया जाएगा। समारोह में प्रतिभाशाली बच्चों को टैलेंट सर्टिफिकेट एवं विशेष पुरूष्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतियोगिता बच्चों में उनकी प्रतिभा को जानने और पहचानने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

स्वर्णकार समाज ने प्रतिभाओं और पत्रकारों का किया सम्मान

छतरपुर। स्वर्णकार समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि भारत शरण सोनी की उपस्थिति में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों, बच्चियों एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारत शरण सोनी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात रामनवमी एवं हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आकर्षक झांकियों की प्रस्तुति देने वाले बच्चों एवं बच्चियों को सम्मानित किया गया। समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और उत्कृष्ट कवरेज के लिए पत्रकार राधेश्याम सोनी, लखन राजपूत, विनोद मिश्रा, अंगद यादव तथा मनोज सोनी के प्रतिनिधि के रूप में सुरेन्द्र यादव को सम्मान प्रदान किया गया।

उपभोक्ताओं को झटका दे रहा स्मार्ट मीटर, अधिक बिजली बिल की आ रही शिकायतें, जबरन मीटर थोपे जाने का लग रहा आरोप, नहीं हो रही सुनवाई

रीवा। जिले में विद्युत उपभोक्ताओं पर जवरन स्मार्ट मीटर थोपे जा रहे हैं। बिजली कंपनी सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगाने की जल्दबाजी मे है। स्मार्ट मीटर लगने के बाद भोक्ताओं ने अधिक अधिक बिल आने की शिकायत की लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। विभागीय अधिकारी इन शिकायतों को सिरे से खारिज कर रहे है। इधर, स्मार्ट मीटर के नाम पर आम उपभोक्ता को लुटने का डर सताने लगा है। बिजी बिल अधिक आने की समस्या तो है ही लोगों को परेशानी यह भी है कि 2 हजार से अधिक बिल का भुगतान तय समय पर नहीं हुआ तो तुरंत मीटर बंद हो जाता है और बिजली गुल रात के समय यदि बिजली कट हो जाये तो फजीहत हो जाती है। उल्लेखनीय है कि दो वर्ष से बिजली विभाग सभी उपभोक्ताओं के पर मे स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रहा है। विगत वर्ष लोकसभा चुनाव के पहले विभाग ने जब स्मार्ट मोटर लगाने की तैयारी की तो इसका व्यापक स्तर पर विरोध हुआ। शहर के वार्ड-13 और 14 के जनप्रतिनिधि नागरिक

लामबंद होनेलगे। मामले को देख विभाग ने अपने पैर पीछे खींच चुका है। इसके साथ शिकया लिए चुनाव के बाद विद्युत कंपनी ने ति का दौर भी जारी है। दूसरी ओर फिर धीरे-धीरे स्मार्ट लगाना शुरू किया और अब यह काम तेजी पकड़ चुका है। इसके साथ शिकवा शिकायतों का दौर भी जारी है। दूसरी ओर स्मर्ट मीटर लगने से कंपनी के अधिकारियों का काम आसान होता जा रहा है। मीटर रीडर और राजस्व वसूली के लिए कर्मचारियों की कमी जैसी समस्या को स्मार्ट मीटर के जरिए कम किया जा रहा है।अन्य डिवीजन में चल रहा धीमा कामजानकारी के मुताबिक शहर में अनुमानित 1 लाख से अधिक विजली उपभोक्ता है। इसमें से 82 हजार उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट मीटर लग चुका है। चाकघाट और त्यौथर डिवीजन में भी स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे है। वहीं पूर्व औश्र पश्चिमसम्भाग में स्मार्ट मीटर लगने की गति धीमी बताई जा रही है। जिले के अन्य योजन के नगर निकाय में आने वाले क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने है लेकिन मुख्यालय से दूर होने के कारण मैदानी अमला पूरी तरह सक्रिय नहीं है। टॉपिक एक्सपर्ट के अनुसार उपभोक्ता को स्मार्ट मीटर लगने से दिल ज्यादा आने का संदेह है तो यह अपने मीटर की ज सकता है। उपभोक्ता तय शुल्क जमा कर अपने क्षेत्रीय कार्य में आवेदन कर सकता है। आवेदन के उपभोक्ताका मोटर टेस्टिंग के लिए ना की लेव में भेजा जाता है। रिपोर्ट को आने में लगभग 15 दिन का समय लगता है। इस रिपोर्ट में यदि मीटर में खराबी मिलती है उपभोक्ता के दिल में सुधार कर दिया जाता है।मीटर की विशेषतामोबाइल एप से फोन पर रीडिंग देख सकते हैं। हर 15 मिनट में खपत की जानकारी अपसेट होती है। ऑनलाइन रीडिंग विभाग तक पहुंचती है और बिल अपडेट हो जाता है। छेड़छाड़ या मीटर खराबी की जानकारी विभाग को मिल जाती है। समय पर बिल जमा नहीं किया तो अपने आप कनेक्शन कट जाता है।

बेटी के जन्म के बाद नवविवाहिता से मारपीट, नवजात को गोद में लेकर शिकायत करने पहुंची महिला

रीवा। समाज में बेटियों को लेकर सोच बदलने के तमाम दावों के बीच रीवा शहर में एक ऐसा मामला सामने आया है, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा मोहल्ला निवासी एक नवविवाहिता ने आरोप लगाया है कि बेटी के जन्म के बाद उसके साथ ससुराल पक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ना की गई और मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया गया। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है, जिसके बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कटरा निवासी पूजा ताम्रकार ने सिटी कोतवाली पहुंचकर अपने पति, ससुर तथा अन्य ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया है कि उसकी शादी फरवरी 2025 में कटरा निवासी शुभम ताम्रकार के साथ हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद से ही दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा था। इस संबंध में पूर्व में भी शिकायत की जा चुकी है।महिला ने बताया कि 16 मई 2026 को उसने एक बच्ची को जन्म दिया। आरोप है कि बेटी के जन्म के बाद ससुराल पक्ष का व्यवहार और अधिक प्रताड़नापूर्ण हो गया। उसे ताने दिए जाने लगे और विभिन्न बातों को लेकर परेशान किया जाने लगा। पूजा का कहना है कि 27 मई को उसके पति और ससुर ने उसके साथ मारपीट की थी, लेकिन परिवार बचाने की उम्मीद में उसने उस समय मामला आगे नहीं बढ़ाया।पीड़िता के अनुसार रविवार सुबह फिर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। आरोप है कि उसके ससुर और देवर ने उसके साथ गाली-गलौज की तथा मारपीट करते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया। घटना के बाद उसने अपने मायके पक्ष को जानकारी दी, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उसे लेकर सिटी कोतवाली थाना पहुंचे। थाने में दोनों पक्षों के बीच हुई बहसमामले की जानकारी लगते ही महिला के मायके पक्ष के लोग भी थाने पहुंच गए। वहीं ससुराल पक्ष के सदस्य भी अपनी बात रखने के लिए थाने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और कहासुनी की स्थिति निर्मित हो गई। माहौल तनावपूर्ण होता देख पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों पक्षों को अलग कराया और स्थिति को नियंत्रित किया।नवजात बच्ची को गोद में लेकर थाने पहुंची महिला ने पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला का चिकित्सीय परीक्षण कराने की प्रक्रिया भी शुरू की। दूसरी ओर पति शुभम ताम्रकार ने पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों से असहमति जताई है। उसका कहना है कि पत्नी के मायके पक्ष के लोग लगातार उनके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करते हैं, जिसके कारण परिवार में विवाद की स्थिति बनती है।

अमेरिकी हमले का मुंह तोड़ जवाब दे भारत सरकारः अजय खरे दुनिया के सभी देशों को है खुली हवा में सांस लेने का अधिकार नाके बंदी में फंसे पार्थिव शवों और लोगों को सुरक्षित स्वदेश लाए

रीवा । समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि तीन महीने पहले अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर युद्ध थोपा जिसके चलते पश्चिम एशिया को युद्ध क्षेत्र बना दिया और इसका दुष्प्रभाव एशियाई और यूरोपीय देशों के ऊपर बना हुआ है। इधर ओमान खाड़ी में अमेरिका के द्वारा ईरान के विरुद्ध की जा रही नाकेबंदी के बीच दहशतगर्दी फैलाते हुए वहां से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों पर हमले किए जा रहे हैं। अमेरिका के द्वारा भारत के तीन व्यावसायिक जहाजों को दिशा निर्देशों का पालन नहीं करने का हवाला देते हुए हमला कर नुकसान पहुंचाया है। इसमें 3 भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है। नाकेबंदी में फंसे हुए जहाजों में मौजूद भारतीय नागरिकों का जीवन भी संकट में है। बीमारी के चलते अभी एक भारतीय की मौत की खबर है। भीषण गर्मी में पार्थिव शव को स्वदेश लाने में मुश्किल हो रही है। श्री खरे ने कहा कि ओमान खाड़ी क्षेत्र की नाकाबंदी अमेरिका की दादागिरी है, ना कि उसका क्षेत्राधिकार। इसकी तुलना ईरान की होर्मुज स्ट्रेट नाकेबंदी से नहीं की जा सकती है। अमेरिका होर्मुज को अपने अधिकार में लेकर ईरान की संप्रभुता को खत्म करना चाहता है। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा किअमेरिका ने ऐसे हालात बना दिए कि ईरान को अपनी अस्मिता बचाने के लिए होर्मुज की नाकेबंदी करनी पड़ रही है। दुनिया के तेल भंडारों को अनाधिकृत तौर पर अपने कब्जे में लेने के लिए अमेरिका विभिन्न देशों पर अनुचित दबाव बना रहा है। तेल साम्राज्यवाद की इसी नीति के चलते ईरान के खिलाफ अमेरिका द्वारा शुरू किए गए युद्ध से पश्चिम एशिया की शांति भंग हुई और अधिकांश देशों की आर्थिक व्यवस्था पर बुरा असर हुआ है। अमेरिका चाहता कि भारत भी उसके इशारे पर तेल की खरीददारी करे। श्री खरे ने कहा कि अमेरिका की यह बात सरासर गलत है। भारत के एक संप्रभुता संपन्न देश है। अमेरिका की ऐसी सोच और दवाब भारत की संप्रभुता को खुली चुनौती है। अमेरिका ने वेनेजुएला पर जबरिया कब्जा जमा रखा है और वहां के तेल भंडारों के जरिए वह अपना आर्थिक भंडार मजबूत कर रहा है। अमेरिका तेल साम्राज्यवाद के जरिए दूसरे देशों के तेल भंडारों पर भी अपना कब्जा जमाना चाहता है। ईरान पर किए गए हमले के दौरान अमेरिका ने यह दबाव बनाने की कोशिश की कि कोई देश ईरान से तेल नहीं खरीदे वहीं दूसरी ओर वेनेजुएला से तेल खरीदने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। वर्तमान समय में वेनेजुएला में अमेरिका की कठपुतली सरकार काम कर रही है। वेनेजुएला का तेल लाने में समय और पैसे दोनों तरफ से मार पड़ रही है। भारत के लिए शुरू से ईरान अनुकूल है लेकिन अमेरिका इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहा। भारतीय जहाजों पर अमेरिकी सेना के तीन हमलों को लेकर ईरान ने भी घटना की निंदा करते हुए विरोध जताया है। भारत सरकार ने भी इधर विरोध प्रकट किया लेकिन अमेरिका ने अभी तक कोई खेद व्यक्त नहीं किया, न ही अपने रूख में किसी तरह के बदलाव का संकेत दिया है।

संभाग में मातृत्व पर मंडरा रहा एनीमिया का खतरा, 2 हजार से अधिक गर्भवती गंभीर, रक्ताल्पता की शिकार प्रदेश में सबसे खराब स्थिति

रीवा जिले में 884 गर्भवती महिलाओं के शरीर में 7 ग्राम से भी कम हीमोग्लोबिनएनीमिया मुक्त भारत अभियान के बावजूद जमीनी हालात चिंताजनक, प्रसव के समय खुल रही बीमारी की पोलरीवा। रीवा संभाग में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर बेहद चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। मातृत्व का सपना संजोए हजारों महिलाएं गंभीर रक्ताल्पता (सीवियर एनीमिया) से

जूझ रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार संभाग में दो हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 7 ग्राम प्रति डेसीलीटर से भी कम है, जो चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत गंभीर स्थिति मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार इतनी कम मात्रा में खून होने पर गर्भवती महिला के साथ-साथ गर्भस्थ शिशु का जीवन भी खतरे में पड़ सकता है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और योजनाओं के बावजूद हालात सुधरते नजर नहीं आ रहे हैं। रीवा संभाग प्रदेश में सीवियर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन और नियंत्रण के मामले में सबसे निचले पायदान पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक रीवा संभाग के चारों जिलों में सीवियर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की संख्या चिंताजनक है। रीवा जिला – 884 गर्भवती महिलाएं सतना जिला – 567 गर्भवती महिलाएं सीधी जिला – 303 गर्भवती महिलाएं सिंगरौली जिला – 246 गर्भवती महिलाएंइन आंकड़ों को जोड़ें तो संभाग में दो हजार से अधिक महिलाएं ऐसी हैं जिनके शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर 7 ग्राम से कम है।उपमुख्यमंत्री ने माना गंभीर समस्यामध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने इस स्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि एनीमिया देशव्यापी चुनौती है। इसके समाधान के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'एनीमिया मुक्त भारत' अभियान संचालित किया जा रहा है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा संभाग के सामने आए आंकड़े चिंता का विषय हैं। स्वास्थ्य विभाग को इस दिशा में प्रभावी कार्यवाही करने और गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके।प्रसव के समय सामने आ रही बीमारीस्वास्थ्य विभाग के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच नहीं हो पा रही है। कई मामलों में महिलाओं को अपनी बीमारी का पता तब चलता है जब वे प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचती हैं। उस समय स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी होती है कि तत्काल रक्त चढ़ाने जैसी आपातकालीन चिकित्सा की आवश्यकता पड़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर जांच, संतुलित आहार, आयरन-फोलिक एसिड की गोलियों का नियमित सेवन और गर्भावस्था के दौरान चिकित्सकीय निगरानी से इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।ये हैं सीवियर एनीमिया के प्रमुख लक्षणचिकित्सकों के अनुसार गर्भवती महिलाओं में निम्न लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच करानी चाहिए अत्यधिक कमजोरी और थकान, बार-बार चक्कर आनासांस फूलना,चेहरा और शरीर का पीला पड़ना,लगातार सिरदर्द रहना,दिल की धड़कन तेज होना काम करने में असामान्य थकावट महसूस होना।

विश्व रक्तदाता दिवस पर आमजनों ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

रीवा । विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल पर लोगों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। संजय गांधी अस्पताल में 50 यूनिट तथा ब्राम्हाकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित शिविर में 7 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये। सीएमएचओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी एवं अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्र के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केबी गौतम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राघवेन्द्र मिश्रा, बीके दीदी, बीके जगदीश सहित बड़ी संख्या में संभ्रांतजन उपस्थित रहे।

मऊगंज में नवागत एएसपी शशिकांत सरयान ने संभाला पदभार, कानून व्यवस्था को बताया पहली प्रथमिकता

मऊगंज। जिले में नवागत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शशिकांत सरयान ने कार्यालय पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराध नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता

बताया। गौरतलब है कि हाल ही में पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह का मऊगंज जिले से स्थानांतरण हुआ है। इसके बाद नवागत एएसपी शशिकांत सरयान ने कार्यभार संभालते हुए स्पष्ट किया कि जिले में नियम-कानून के अनुसार कार्यवाही की जाएगी तथा आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।एएसपी सरयान ने कहा कि अवैध वसूली, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध कारोबार और अन्य आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस विभाग कानून का राज स्थापित करने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी निर्देश दिए कि वे निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तथा जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें।नवागत एएसपी के पदभार ग्रहण करने से जिले में कानून व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। आम नागरिकों को भी उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और जिले में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण मजबूत होगा।

खेत बचाओ अभियान में किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का दिया गया संदेश

रीवा । जिले के सिरमौर विकासखंड अन्तर्गत बीरखाम गांव में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के संयुक्त तत्वाधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि यू.पी. बागरी ने बताया कि खेत बचाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को ई-विकास प्रणाली से संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल संरक्षण तथा कृषि एवं उद्यानिकी फसलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना है। किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों, रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी जानकारी इस दौरान की गई। किसानों को बताया कि स्वस्थ मिट्टी ही टिकाऊ कृषि एवं बेहतर उत्पादन का आधार है। मृदा स्वास्थ्य में सुधार कर खेती की लागत कम की जा सकती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने प्राकृतिक खेती एवं मृदा संरक्षण संबंधी तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया। कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना ने किसानों से अपील की है कि वे खेत बचाओ अभियान से जुड़कर स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ फसल एवं समृद्ध किसान के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में श्रीमती स्मिता मिश्रा,एटीएम आभा गौर, अंजना त्रिपाठी,कृष्ण कुमार कुशवाहा, श्रीमती नीतू सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

रक्तदाता सम्मान समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रीवा । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान करके मानवता की सेवा में अमूल्य योगदान दिया जा सकता है। रक्तदान से दूसरों का जीवन भी बचता है। उप मुख्यमंत्री ब्राम्हाकुमारी संस्थान रीवा द्वारा आयोजित रक्तदाता सम्मान समारोह में शामिल हुए और रक्तदाताओं को सम्मानित किया तथा प्रमाण पत्र वितरित किये। संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान-जीवनदान है और यह मानवता की पहचान भी है। इस पुनीत कार्य में सहभागिता कर रक्तदाताओं ने मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। रक्तदान द्वारा जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी को बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य के लिए भी रक्तदान बहुत लाभकारी है। रक्तदान से शरीर में जितने खून की कमी होती है उसे शरीर कुछ ही दिनों में नया रक्त बनाकर पूरा कर देता है। नियमित रक्तदान से ह्मदय रोग सहित अन्य गंभीर रोगों का खतरा कम होता है। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की वह नियमित रूप से रक्तदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर ब्राम्हाकुमारी संस्थान द्वारा उप मुख्यमंत्री जी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दीदी निर्मला, भाई प्रकाश सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बस ने ऑटो को मारी टक्कर, महिला-बच्चों समेत आधा दर्जन घायल, रास्ते से गुजर रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने दिखाई मानवता, घायलों को स्वयं अस्पताल पहुंचाया

रीवा। जिले के सगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत लौआ के समीप रविवार को एक तेज रफ्तार यात्री बस पूजा ट्रैवल्स और ऑटो के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में महिला एवं बच्चों सहित लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार कई लोग अंदर ही फंस गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बैकुंठपुर से रीवा की ओर आ रही पूजा बस सर्विस की यात्री बस ने लौआ क्षेत्र में सामने चल रहे ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो सड़क किनारे पलट गया और उसमें बैठे यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद बस चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। इसी दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) संदीप मिश्रा वहां से गुजर रहे थे। दुर्घटना को देखकर उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और बिना देर किए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। ऑटो के अंदर फंसे घायलों को बाहर निकालने के लिए उन्होंने अपने ड्राइवर और गनमैन के साथ स्वयं मोर्चा संभाला। स्थानीय लोगों की मदद से एक-एक कर सभी

घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जिनकी स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने निजी वाहन के साथ-साथ 108 एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी चिकित्सालय भिजवाया। समय पर राहत मिलने से घायलों को गोल्डन ऑवर के दौरान आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग भी सक्रिय हो गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने संबंधित थाना पुलिस को आवश्यक निर्देश जारी करते हुए फरार बस चालक और वाहन की तलाश शुरू करने को कहा। साथ ही घेराबंदी कर बस को पकड़ने के निर्देश भी दिए गए हैं। सभी घायलों का संजय गांधी चिकित्सालय में उपचार जारी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है तथा फरार बस चालक की तलाश में जुटी हुई है।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही प्रशासन की प्राथमिकता -कलेक्टर

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त ग्राम रोजगार सहायकों एवं पटवारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए मैदानी स्तर पर कार्यरत रोजगार सहायक एवं पटवारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समग्र ई-केवाईसी अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शेष पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण कराने, समग्र डेटा का शुद्धिकरण एवं अद्यतन करने के निर्देश दिये। उन्होंने लोक कल्याण शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदनों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक कल्याण शिविर शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का

महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की समीक्षा के दौरान प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय क्षेत्र में अधिकाधिक पौधरोपण सुनिश्चित करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गये। संबल योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के पंजीयन एवं लाभ वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पात्र श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के लाभ से कोई भी पात्र परिवार वंचित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए राजस्व एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को किसानों का पंजीयन कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान हितैषी योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से उपलब्ध कराने के लिए फार्मर रजिस्ट्री का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में समान नागरिक संहिता से संबंधित जनजागरूकता गतिविधियों पर भी चर्चा की गई तथा शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र में रोजगार सहायक एवं पटवारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा सौंपे गए कार्यों की सतत निगरानी करें। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर पवन गौरैया, जिले के समस्त तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसीसी, खंड चिकित्सा अधिकारी, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।